ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम विषय-हिन्दी व्याकरण

सर्वनाम

दिनांक—21/10/2020

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

<u>एन सी इ आर टी पर आधारित</u>

" वह शब्द जो संज्ञा के बदले में आए उसे सर्वनाम कहते हैं।"

जैसे - **' मैं ' , ' तुम ' , ' हम ' , ' वह ' , ' आप ' , ' उसका ' , ' उसकी ' , ' वह '** आदि।

सर्वनाम के छह भेद होते हैं -
~~~~~~~~~~

1. पुरुषवाचक
2. निश्चयवाचक
3. अनिश्चयवाचक
4. संबंधवाचक
5. प्रश्नवाचक
6. निजवाचक

1.पुरुषवाचक सर्वनाम:

जो सर्वनाम शब्द बोलने वाले, सुनने वाले या किसी तीसरे व्यक्ति के लिए प्रयुक्त होते हैं, वे पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं;जैसे- मैं, मेरा, हमारा (वक्ता), तू, तुम, तुम्हारा (श्रोता), वह, वे, उन्होंने (अन्य) इत्यादि।

पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद होते हैं-

(क) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम:- बोलने वाला (वक्ता) जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग अपने लिए करता है, वे उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे-

मैं पानी पीता हूँ।
मेरे लिए कुछ तो करो।
हमारे घर में चहल-पहल है।

(ख) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम:-

वक्ता जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग बात सुनने वाले (श्रोता) के लिए करता है, वे मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे-

तुम यहाँ क्या कर रहे हो?
तुम्हारा यहाँ क्या काम है?

तुम्हें अपना बोरिया-बिस्तर बांधकर चले जाना चाहिए।

(ग) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम:-

बात कहने वाला (वक्ता) जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किसी अन्य के विषय में प्रयोग करता है, वे सर्वनाम अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं; जैसे-

वह दौड़ता ही जा रहा है।

उसके साथ कोई और है ही नहीं।

उसे कोई रोकता क्यों नहीं?

छात्र कार्य- दी गई पाठ्य सामग्री को अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें एवं याद करें।

धन्यवाद

कुमारी पिंकी "कुसुम"